COLLEGE AFFILIATION

SRI LAL BAHADUR SHASTRI SMARAK AYURVEDIC COLLEGE IS AFFILIATED WITH PROF. RAJENDRA SINGH (RAJJU BHAIYA) UNIVERSITY PRAYAGRAJ (FORMERLY ALLAHABAD STATE UNIVERSITY , ALLAHABAD) SINCE 2016

BEFORE 2016 THE COLLEGE WAS IN AFFILIATION WITH CSJM UNIVERSITY KANPUR

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj

(Formerly Allahabad State University, Allahabad)

MISSION STATEMENT

The prime mission of Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj (Formerly Allahabad State University) is to offer integrated approaches for local, regional, national and global opportunities of higher learning, research and engagement to the diverse sets of students' population. The University intends to offers a full range of degree programmes at the Bachelor's, Master's, Doctoral, Post-Doctorals and Professional levels, coupled with the entire domain and scope of research and other creative activities.

GOALS

Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj (Formerly Allahabad State University) will provide higher education to the younger generation, and intends to emerge as a "world-class" multi-disciplinary global institution encompassing various branches and frontiers of higher learning and research in the entire domain, range and scope of "knowledge power". The University will have a student profile comparable with national and global public and private institutions of higher education by creating an environment in which students' success in diverse areas can be ensured to the optimum level. It will also fulfil the skills and professional needs of creating a strong regional and state workforce, while emerging as a primary engine of social, economic, and intellectual development in India and abroad in the Age of Globalization.

The University will also embark upon the path of realizing its endeavors and accomplishments in varying degrees, coupled with the ability of the students and faculty to build a resource base of highest order. As its primary goal, the Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj (Formerly Allahabad State University) is dedicated to becoming a nationally and globally recognized institution in the 21st century along with the shared universal values of humanity at large. Accordingly, it is bound to utilize its material, human and other resources to :

- Imparting higher education to fulfil the diverse needs of students' community, including foreign students.
- Promote excellence within the entire domain, range and scope of higher education and professional studies.
- Meeting cultural and other challenges to our nation-building and eventually affecting the quality of life in the urban and rural areas through teaching, learning, advanced research and multi-dimentional activities.

Hon'ble Chancellor

Smt. Anandiben Patel

Hon’ble Chief Minister of U.P.

Shri Yogi Adityanath

Vice Chancellor

Dr. Akhilesh Kumar Singh

MAHAYOGI GURU GORAKHNATH AYUSH UNIVERSITY

Bhatahat, Gorakhpur Uttar Pradesh, India

Temp. Office: I.A.S./P.C.S. Coaching Centre, Near Prem Chand Park, Narmal Campus, Gorakhpur-273001

vc@mggaugkp.ac.in www.mggaugkp.ac.in

Office No.: 0551-2989819

Ref. स0 / AUVA008 / MGGAU / 2022–2023 / 933 Date: 09/03/2023

–: सम्बद्धता आदेश :–

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत असाधारण गजट संख्या–420 / 79–वि–1–20–1(क)–8–2020 लखनऊ दिनांक–12.03.2020 एवं संशोधित असाधारण गजट संख्या–76 / 79–वि0–1–21–2(क)–1–2021 दिनांक–09.01.2021 द्वारा निर्गत महायोगी गुरू गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अधिनियम –2021 के अध्याय–2 की धारा–5(घ) व अध्याय–5 की धारा–28 के क्रम में कालेज कोड संख्या–**AUVA 008 श्री लाल बहादुर शास्त्री स्मारक राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय हंडिया, प्रयागराज** द्वारा सम्बद्धता हेतु किये गये आनलाइन आवेदन एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, आयुष मत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रदान किये गये मान्यता के आधार पर मा0 कार्य परिषद के सहमति की प्रत्याशा में निम्नलिखित पाठ्यक्रम के संचालनार्थ सत्र 2022–2023 हेतु सशर्त अस्थायी सम्बद्धता प्रदान किया जाता है–

क्र0सं0	पाठ्यक्रम का नाम	सीटों की संख्या (ई0डब्लू0एस0 सहित)
1	बी0 ए0 एम0 एस0	75 सीट (ई.डब्लू.एस. सहित)

सम्बद्धता की शर्तें–

1. संस्था / महाविद्यालय द्वारा भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा समय–समय पर दिये गये मानकों / निर्देशों का शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
2. संस्था / महाविद्यालय द्वारा भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित सीट पर ही तथा प्रवेश अनुमति के बिना महाविद्यालय में प्रवेश नही किया जायेगा।
3. संस्था / महाविद्यालय द्वारा उत्तर प्रदेश / विश्वविद्यालय के संविधिक निकाय के निर्गत आदेशों / निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जायेगा।
4. संस्था / महाविद्यालय विश्वविद्यालय के अधिनियम एवं उत्तर प्रदेश शासन / विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत परिनियमों का अनिवार्य रूप से पालन करेगा।
5. संस्था / महाविद्यालय द्वारा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्धारित फीस की धनराशि ही छात्रों से लिया जायेगा तथा आयुष महाविद्यालय में प्रवेश के माध्यम / विधि के सम्बन्ध में शासन द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जायेगा।
6. संस्था / महाविद्यालय में प्रवेशित अभ्यर्थियों एवं रिक्तियों की सूचना नियमानुसार निर्धारित समयान्तर्गत सम्बन्धित अधिकारी को उपलब्ध करायेंगे तथा इस सम्बन्ध में समय–समय पर निर्गत होने वाले शासनादेशों / उच्चाधिकारियों के आदेशों का पालन करेगें।
7. संस्था / महाविद्यालय द्वारा भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से समय–समय पर निर्गत किये गये मानकों / निर्देशों / आदेशों का अनुपालन एवं मानकों की पूर्ति किये जाने की सूचना शपथ पत्र पर समय से प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय के कुलसचिव को प्रेषित किया जायेगा।

9/3/23

(आर0 बी0 सिंह)
कुल सचिव
महायोगी गुरू गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय
गोरखपुर